१३

प्लेबुक

एक्सिस बैंक फाउंडेशन समर्थित ग्रामीण
आजीविका परियोजनाओं के सर्वोत्तम अभ्यास

ग्रामीण आजीविका

कृषि

मिर्च-लहसुन की सहफली खेती से आमदनी बढ़ाना

इस प्लेबुक
की क्या आवश्यकता है?

- ज़्यादातर भारतीय किसानों के खेत छोटे होते हैं, जिसके कारण खेती विशेष रूप से जोखिम वाला व्यवसाय बन जाती है। कृपया नोट करें: जबकि मिर्च को अन्य फसलों जैसे प्याज, हरी मटर आदि के साथ सहफसलित किया जा सकता है, किसान की आय को अधिकतम करने को ध्यान में रखते हुए इस प्लेबुक के लिए लहसुन को चुना गया हैं।

- इन छोटे खेतों से होने वाली आमदनी भी कम होती है, जिसकी वजह से परिवार काम की तलाश में पलायन कर जाते हैं।

- छोटे खेतों में उगाई जा सकने वाली फ़सलों की संख्या को अधिकतम करके, छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है।

- प्रयासों और गलतियों से सीखते हुए, टी.सी.एल ने पाया कि मिर्च और लहसुन की मिश्रित खेती से छोटे खेत वाले किसानों को बेहतर परिणाम मिलते हैं। यह दोनों फ़सलें संसाधनों के उपयोग में एक-दूसरे की पूरक हैं।

- मिर्च की फ़सल पर विशेषकर वायरस के हमले ज़्यादा होते हैं और इससे किसानों को वार्षिक स्तर पर काफ़ी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

यह प्लेबुक **ट्रस्ट कम्यूनिटी लाइव्लीहुड्स (टी.सी.एल)** की विशेषज्ञता पर आधारित है, जो कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी और बहराइच जिलों में सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समुदायों और भूमिहीन/ सीमांत किसानों के बीच आमदनी बढ़ाने का काम करती है।

यह समाधान किन स्थितियों में अपनाया जा सकता है:

अगर आपका खेत 0.2 एकड़ (1 बीघा) या उससे कम है

अगर आपके पास साल भर सिंचाई की व्यवस्था है

आपके खेत में बालू वाली दोमट मिट्टी या दोमट मिट्टी है

यह प्लेबुक किसके काम आ सकती है: प्रशिक्षक, किसान, सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सी आर पी)

मिर्च-लहसुन की साहफली खेती से
से किसानों के लिए क्या फ़ायदा है?

01

1 बीघा या उससे छोटे

छोटे खेत वाले किसानों की भी आमदनी बढ़ाई जा सकती है क्योंकि दो फ़सलों से अतिरिक्त आय मिलती है। यह 0.2 एकड़ (1 बीघा) या उससे छोटे खेतों के लिए सबसे अच्छा उपाय है।

अगर एक फ़सल में नुकसान हो भी जाता है, तो दूसरी फ़सल से होने वाली आय से किसान के परिवार का भरण-पोषण हो सकता है।

कम जोखिम

दो फ़सलें उगाने से रोग या जलवायु और बाज़ार के उतार-चढ़ाव के कारण होने वाले जोखिम को कम किया जाता है।

यह विशेषकर मिर्च की फ़सल के लिए लागू होता है, जिसमें कीड़े और रोग लगने की संभावना अधिक रहती है।

मिट्टी के पोषक तत्वों, मेहनत और समय का बेहतर उपयोग होता है, जिससे आमदनी बढ़ती है।

बेहतर उपयोग

मिर्च-लहसुन
क्यों?

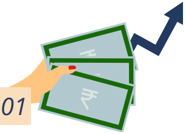

01

दोनों उच्च मूल्य फ़सलें हैं।

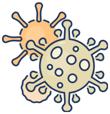

02

मिर्च में वायरस लगने का खतरा ज़्यादा रहता है, जबकि लहसुन कीड़ों को भगाने में अच्छा है। लहसुन लगाना मिर्च की खेती में सहयोगी होता है।

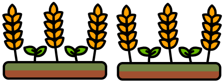

03

मिर्च को थोड़ा-थोड़ा करके तोड़ा जा सकता है: इससे निरंतर आमदनी होती है और कीमतें बढ़ने पर लाभ बढ़ सकता है।

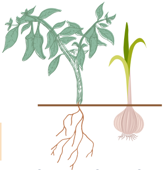

04

दोनों फ़सलों का जड़ों का क्षेत्र अलग होता है: लहसुन की जड़ें ज़्यादा गहरी नहीं होतीं और मिर्च की जड़ें गहरी होती हैं।

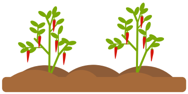

05

छाया के लिए : जब तक लहसुन की फ़सल बढ़ती है, तब मिर्च लगाने का समय होता है - इसकी वजह से दोनों फ़सलें एक-दूसरे से संसाधन नहीं छीनतीं।

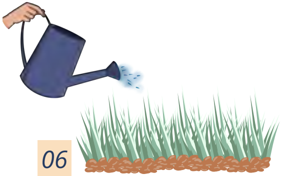

06

दोनों पौधों की पानी की ज़रूरतें एक-दूसरे के जैसी ही हैं।

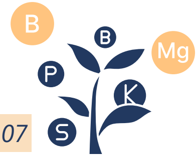

07

अलग-अलग पोषक तत्वों की ज़रूरत: इसलिए, दोनों पौधे मिट्टी के पोषक तत्वों को एक-दूसरे से नहीं छीनते।

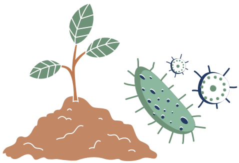

08

दोनों फ़सलें अलग प्रकार की हैं: इसलिए, उनमें लगने वाली बीमारियाँ एक-जैसी नहीं हैं।

01/खेत की तैयारी
खेत

***1-2* बीघा खेत** या *20* बिस्वा*;* या *5* बिसवा
(8000 वर्ग फ़ीट*)* के लिए उपयुक्त।

यह इसलिए कि **दोनों फ़सलों में काफ़ी मेहनत करनी** होती है।

मिट्टी की किस्म*:* बालू वाली दोमट मिट्टी। इसके लिए चिकनी मिट्टी अच्छी नहीं रहती क्योंकि उसमें कंद वाली फ़सल नहीं उगाई जा सकती।

लहसुन के किसानों को समझाना आसान है कि वे बीच में मिर्च उगाएँ क्योंकि उन्हें मेड़ बनाने की आदत है, जो इसके लिए चाहिए होती है।

02/क्यारी बनाना

खेत

01

खेत के चारों किनारों पर
मिट्टी का तटबंध है

02

हर दो मीटर की दूरी पर, **मिट्टी के तटबंध के बीच छोटी सी नाली बानाई जाते हैं**

03

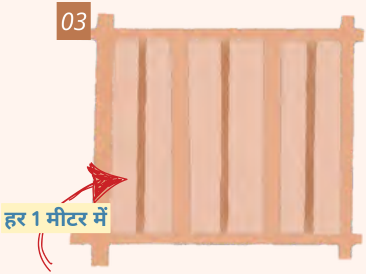

1-1 मीटर की दूरी पर **मेड़** बनाई जाती है

04

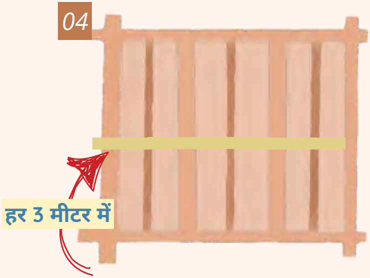

3 मीटर की दूरी पर एक बेधी नाली बनाई जाती है - इससे क्यारी का आकार 1 मीटर चौड़ा और 3 मीटर लंबा बन जाता है

यदि भूमि समतल है तो क्यारी का आकार बड़ा करना होगा। यदि भूमि समतल न हो या मिट्टी में मिट्टी की मात्रा हो तो छोटी क्यारियाँ बनाई जाती हैं

खेत

तटबंध और नाली

मेड़

03/सिंचाई का **तरीका**

प्रत्येक *1*3* मीटर क्यारी के लिए एक खुली जगह बनाई जाती है।

01

जब क्यारी में 80% पानी भर जाता है, तो इसे बंद कर दिया जाता है, और दूसरी क्यारी में खुली जगह बनाई जाती है

80%

02

1-1.5 घंटे तक मेड़ की ऊंचाई के 2/3 हिस्से में पानी होना चाहिए

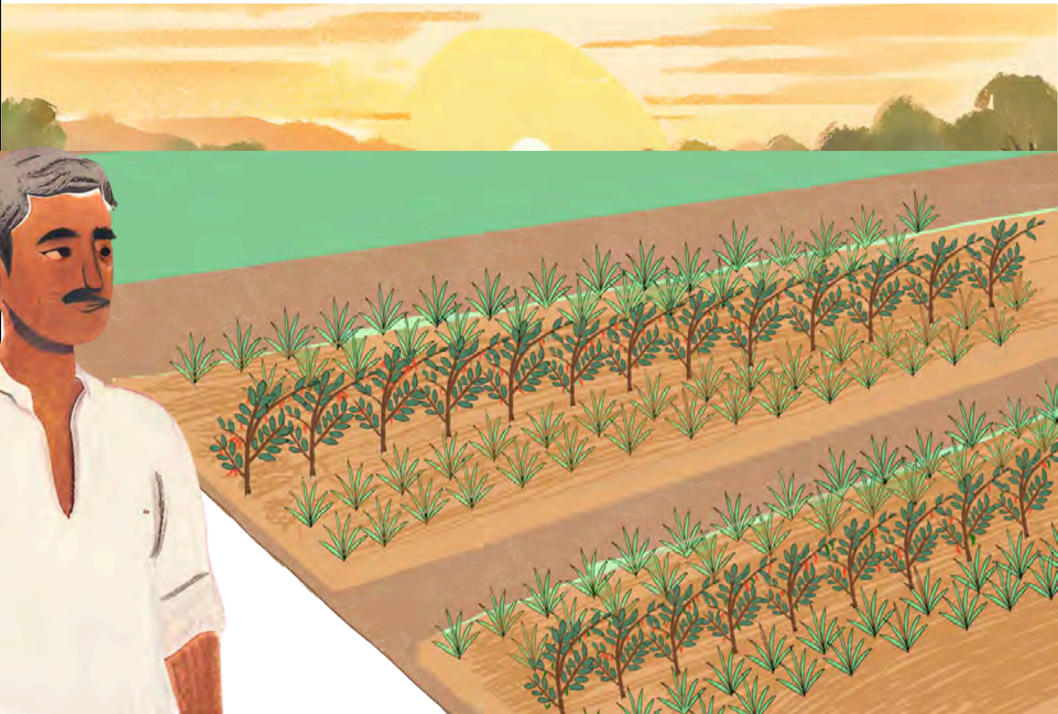

04/बीजने का
तरीक

मिर्च की पंक्तियों को लहसुन की पंक्तियों के बीच में मेड पर लगाया जाता है। मिर्च की छतरी लहसुन के परिपक्व होने के बाद ही बढ़ती है।

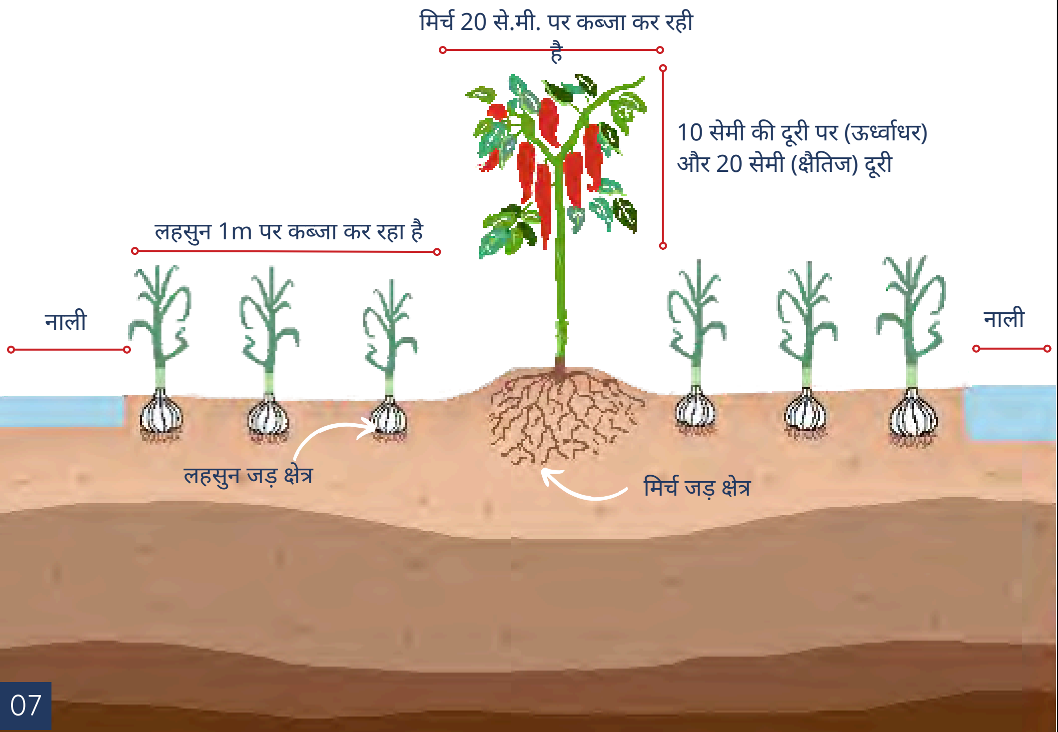

05/खेती करना का **तरीका**

फसलों का रोपण:

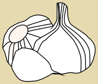

लहसुन को अक्टूबर के अंत में लगाते हैं।

मिर्च को एक महीने के बाद (या, नर्सरी में लगे पौधों को **नवंबर के अंत में**)।

कटाई:

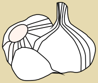

लहसुन की कटाई का समय: **मध्य-मार्च से जुलाई**

मिर्च: **मार्च से जुलाई**

बुवाई	
बढ़ना	
-	

लहसुन

अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फ़रवरी
मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई

मिर्च

अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फ़रवरी
मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई

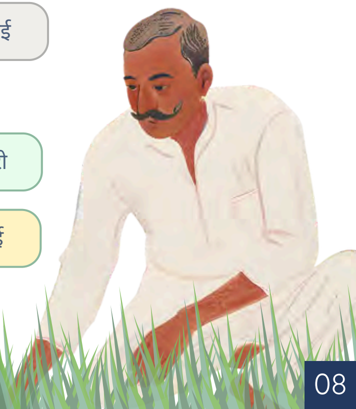

06/अगले चक्र **की योजना**

मिर्च-लहसुन अवश्य लगाना चाहिए **प्रत्येक वैकल्पिक वर्ष**

अन्य फसलों के लिए **एक वर्ष मिट्टी का अच्छा स्वास्थ्य सुनिश्चित** करता है

अनुमानित लाभ, 0.2 एकड़ (या उत्तर प्रदेश का 1 बीघा)*:

सिर्फ मिर्च

₹ **60,000** **तक**

प्रति बीघा (प्रति बीघा (पौधों की उचित देखभाल और कोई बीमारी के हमलों की संभावना को मानते हुए)
)

सिर्फ लहसुन

₹ **40,000** **तक**

प्रति बीघा (प्रति बीघा (पौधों की उचित देखभाल और कोई बीमारी के हमलों की संभावना को मानते हुए)

मिर्च-लहसुन साहफली खेती

₹ **80,000** **तक**

प्रति बीघा (यह मानते हुए कि उचित देखभाल, कोई रोग हमला नहीं और श्रम कार्य के लिए परिवार के सदस्यों का उपयोग)

* सभी आँकड़े अनुमानित हैं और यह माना गया है कि पौधों की देखरेख हो रही है, बीमारी या जलवायु-संबंधित घटनाओं से कोई नुकसान नहीं है, और मजदूरी की कीमतें न्यूनतम रखने के लिए परिवार के सदस्य भी खेती में शामिल हैं।

संसाधन व्यक्ति

डॉ . सुनील कुमार पांडे
कार्यक्रम निर्देशक, टी.सी.एल
९६५१०७२८०२

रविंद्रनाथ शुक्ला
कार्यक्रम निर्देशक, टी.सी.एल
८२९९२९६०४९

Documentation Partner

WELL LABS
WATER · ENVIRONMENT · LAND · LIVELIHOODS

Knowledge Partner

TRUST Community Livelihoods
TCL
Creating wealth for the poor

Supported by

AXIS BANK FOUNDATION

नवंबर २०२५